मंदिरों के पास पड़े सोने के मौद्रीकरण

■ अफवाहों को बताया भ्रामक ■ आधिकारिक सूचना पर भरोसा करें

नई दिल्ली, 19 मई केंद्र सरकार ने मंदिरों के पास मौजूद सोने के भंडार के मौद्रीकरण को लेकर चल रही अटकलों और सोशल मीडिया पर वायरल दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है, जिसमें मंदिरों के स्वर्ण भंडार के बदले गोल्ड बॉन्ड जारी किए जाएं या धार्मिक संस्थाओं के सोने का मौद्रीकरण किया जाए। मंत्रालय ने इन खबरों को झूठा, भ्रामक और निराधार बताते हुए लोगों से केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को जारी एक

आधिकारिक स्पष्टीकरण में कहा कि हाल के दिनों में कुछ मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्ट में यह दावा किया जा रहा था कि सरकार मंदिरों के पास रखे स्वर्ण भंडार का मौद्रीकरण करने की तैयारी कर रही है। कुछ रिपोर्टों में यहां तक कहा गया कि इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी भी मिल चुकी है।

वित्त मंत्रालय ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि देशभर के मंदिर ट्रस्टों या किसी भी धार्मिक संस्था के पास मौजूद सोने के मौद्रीकरण को लेकर सरकार की कोई योजना नहीं है। मंत्रालय के अनुसार इस तरह की खबरें और चर्चाएं पूरी तरह अफवाह हैं, जिनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों, दरवाजों या अन्य संरचनाओं पर लगी स्वर्ण परतों को देश का 'रणनीतिक स्वर्ण भंडार' मानने की बात भी पूरी तरह गलत और भ्रामक है। सरकार ने कहा कि इस प्रकार की सूचनाएं जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम करती हैं और इससे अनावश्यक आशंकाएं पैदा होती हैं।

सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही अपुष्ट खबरों और अफवाहों पर विश्वास न करें।

सोने में तेजी, चांदी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली 19 मई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। सोने की कीमत में तेजी दर्ज की गई और यह बढ़कर 1,59,449 प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी का भाव गिरकर 2,75,016 प्रति किलोग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में जून डिलीवरी वाला सोना 1,59,285 प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था, जिसमें 0.07 प्रतिशत की गिरावट आई थी। इसी तरह जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 2,76,600 प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी, जिसमें 0.02 प्रतिशत की कमी देखी गई थी। मंगलवार के भावों की तुलना में सोने में लगभग ?200 की तेजी और चांदी में लगभग 1,500 की गिरावट दर्ज की गई।

आरबीआई में गुणवीर सिंह बने कार्यकारी निदेशक

मुंबई, 19 मई. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वरिष्ठ अधिकारी गुणवीर सिंह को नया कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

भुगतान विभाग की जिम्मेदारी
नियुक्ति तत्काल प्रभाव से
तीन दशक का अनुभव
ओमान में भी दे चुके हैं सेवाएं

आरबीआई ने उन्हें भुगतान एवं निपटान प्रणाली विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री सिंह इससे पहले इसी विभाग में प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को जारी आधिकारिक बयान में बताया कि गुणवीर सिंह को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार उनकी नियुक्ति 18 मई से प्रभावी हो चुकी है। नए दायित्व के तहत वे भुगतान एवं निपटान प्रणाली विभाग का नेतृत्व करेंगे।

आरबीआई में लंबे समय से कार्यरत श्री सिंह को बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के अनुभवी अधिकारियों में गिना जाता है। उन्होंने अपने करियर के दौरान भुगतान एवं निपटान प्रणाली, बैंकिंग एवं गैर-बैंकिंग निरीक्षण, जोखिम निगरानी, सरकारी बैंकिंग तथा कई अन्य महत्वपूर्ण विभागों में जिम्मेदारियां निभाई हैं।

> गुणवीर सिंह का अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी उल्लेखनीय है। उन्होंने सेंट्रल बैंक ऑफ ओमान में भुगतान प्रणाली विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दी हैं। वहां उन्होंने भुगतान तंत्र और वित्तीय प्रणाली से जुड़े कई अहम परियोजनाओं पर कार्य किया। शैक्षणिक दृष्टि से भी श्री सिंह का प्रोफाइल मजबूत माना जाता है। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट (सीडब्ल्यूए) हैं। वित्तीय प्रबंधन, जोखिम नियंत्रण और बैंकिंग संचालन के क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए आरबीआई ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

गिरावट में बंद हुए सेंसेक्स

आईटी कंपनियों में लिवाली का जोर

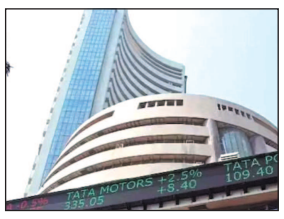

मुंबई, 19 मई दिग्गज कंपनियों में अंतिम समय में हुई बिकवाली से मंगलवार घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए।

आईटी कंपनियों में जबरदस्त तेजी रही जबकि बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों ने बाजार पर दबाव बनाया। रसायन, सार्वजनिक बैंक, रियलटी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी तेजी रही। ऑटो और फार्मा सेक्टरों से सूचकांक भी ऊपर बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 114.19 अंक (0.15 प्रतिशत) गिरकर 75,200.85 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 31.95 अंक यानी 0.14 प्रतिशत उतरकर 23,618 अंक पर रहा।

सेंसेक्स सुबह बढ़त में खुला था और लगभग पूरे दिन हरे निशान में रहा। आखिरी एक घंटे में दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से अंत में यह लाल निशान में बंद हुआ। वृहत बाजार में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.88 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.17 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। इंफोसिस का शेयर पौने पांच प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का पौने तीन प्रतिशत चढ़ा।

वेकोलि मुख्यालय में हुआ 'जल मंथन' कार्यक्रम

नागपुरमि 19 मई वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में दिनांक 19 मई 2026 को 'जल मंथन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री श्री उमाशंकर पांडे की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री उमाशंकर पांडे एक सुप्रसिद्ध समाजसेवी हैं तथा उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्यों को समर्पित किया है।

कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री श्री उमाशंकर पांडे ने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए जल के महत्व एवं उसके संरक्षण हेतु आवश्यक उपायों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय परिप्रेक्ष्य में विभिन्न अध्ययनों एवं उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि जल एक अमूल्य प्राकृतिक संसाधन है, जिसका हर संभव तरीके से संरक्षण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने तथा प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्तव्य के उपरांत डॉ. हेमंत शरद पांडे, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, वेकोलि ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने वेकोलि द्वारा जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों एवं पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वेकोलि सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है तथा जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री आनंदजी प्रसाद, निदेशक (तकनीकी)/पी एंड पी श्री संदीप परांजपे, तथा सह-अतिथि श्री अमिए साठे एवं डॉ. अनिल वाघ की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वेकोलि मुख्यालय के महाप्रबंधक गण एवं विभागाध्यक्ष गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री सतीश गबाले द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

चावल, गेहूं, चीनी, दालों के दामों में उछाल

नयी दिल्ली, 19 मई. घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल की औसत कीमत बढ़ गयी। चावल के साथ गेहूं, चीनी और दालों में भी तेजी रही। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत सात रुपये बढ़कर 3,871 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,784 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा 15 रुपये मजबूत हुआ। दाल-दलहनों के भाव भी बढ़ गये। उड़द दाल और मूंग दाल के दाम 15-15 रुपये प्रति क्विंटल चढ़े। चना दाल में पांच रुपये की तेजी रही। तुअर दाल और मसूर दाल की कीमतें पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रहीं।

'भारत की वेल्थ इंडस्ट्री : तब और अब'

मैं इस क्षेत्र में पिछले 26 वर्षों से काम कर रहा हूं। इतने लंबे समय से हूं कि वो दौर याद है जब भारत में 'प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट' कोई उद्योग नहीं था, बल्कि रिश्तों पर आधारित काम होता था। मुंबई, दिल्ली और कोलकाता के कुछ सैकड़ा व्यवसायिक परिवार, जहां निवेश सलाह कम और प्रोडक्ट बेचने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था। उस समय बस इतना ही दायरा था।

इसके बाद जो बदलाव हुए हैं, वे पूरे ढांचे के स्तर पर हुए हैं। लेकिन सच कहूं तो हमने काफी आगे तक सफर तय किया है, फिर भी असलियत यह है कि अभी हमारी शुरुआत ही हुई है।

देश की तरक्की के साथ पूंजी भी बढ़ी

2010 में भारत का जीडीपी 1.67 ट्रिलियन डॉलर था, जो आज बढ़कर 4.15 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। इसी दौरान प्रति व्यक्ति आय भी लगभग चार गुना बढ़कर 54,000 रुपये प्रति वर्ष से 2.2 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इसका मतलब यह है कि एक पूरी पीढ़ी पहली बार ऐसे दौर में जी रही है, जहां उनके पास निवेश के लिए बचत उपलब्ध है।

मुझे याद है, पहले बाजार की दिशा काफी हद तक विदेशी निवेशकों यानी एफआईआई के फैसलों पर निर्भर होती थी। लेकिन यह स्थिति अब हमेशा के लिए बदल चुकी है। एसआईपी इनफ्लो 1,000 करोड़ रुपये प्रति माह से बढ़कर 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। पिछले साल जहां विदेशी निवेशक बिकवाली कर रहे थे, वहीं घरेलू निवेशकों यानी डीआईआई ने लगभग 6.6 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। अब भारतीय बाजारों की मजबूती, आखिरकार, भारतीय निवेशकों के हाथों में है।

> **निवेशक भी बदल गए हैं**
> जब मैंने शुरुआत की थी, तब ज्यादातर एचएनआई पुराने व्यवसायिक परिवारों से आते थे, जिनकी विरासत में मिली संपत्ति किसी भरोसेमंद सीए और जान-पहचान के बैंकर के हवाले होती थी। आज के निवेशक ने पिछले दशक में खुद अपना बिजनेस खड़ा किया है, या बड़े पैमाने पर वेस्ट हुए ईएसओपी से संपत्ति बनाई है। 2024 में ही भारत में 33,000 से ज्यादा नए करोड़पति जुड़े हैं। एचएनआई की संख्या 2010 में 1,53,000 से बढ़कर आज 8,50,000 से ज्यादा हो चुकी है।

बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक परिवर्तन

एनएमडीसी द्वारा बस्तर में अत्याधुनिक 'सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल' की स्थापना

हैदराबाद, 19 मई. पूरे बस्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुगम और बेहतर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में जगदलपुर में अत्याधुनिक 'सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल' का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास

तथा लोगों के सामाजिक उत्थान और जीवन स्तर में सुधार को गति प्रदान करने का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। एनएमडीसी अस्पताल को शुरू कराने में एक सक्षम शक्ति के रूप में उभरा है। कंपनी ने इस क्षेत्र में ?25 करोड़ का निवेश किया है तथा अगले पांच वर्षों तक निरंतर वित्तीय सहयोग देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिससे संस्थान को आत्मनिर्भर स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा तंत्र विकसित करने में सहायता मिलेगी। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकसित यह अस्पताल ऐतिहासिक रूप से बस्तर के आदिवासी समुदायों की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करेगा। अब तक विशेष उपचार के लिए लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, लेकिन अस्पताल शुरू होने से उन्हें स्थानीय स्तर पर ही बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

फ्लाइट ने लॉन्च किया 'स्टाइल का नया अंदाज' कैंपेन

नई दिल्ली. 19 मई. रिलैक्सो फुटवियर्स लिमिटेड के प्रमुख फैमिली फैशन फुटवियर ब्रांड, फ्लाइट ने अपना नया कैंपेन 'स्टाइल का नया अंदाज़' लॉन्च किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी नई बकल रेंज भी पेश की है, जिसे रोज पहनने वाले ओपन फुटवियर में आराम और मॉडर्न स्टाइल का बेहतरीन मेल देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आज के समय में फुटवियर सिर्फ जरूरत नहीं रहा, बल्कि यह लोगों की पर्सनल स्टाइल का हिस्सा बन चुका है। 'स्टाइल का नया अंदाज़' कैंपेन के जरिए फ्लाइट इस बदलाव को सेलिब्रेट कर रहा है और लोगों को ऐसे लुक्स अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है, जो आसान, ट्रेंडी और कॉन्फिडेंट दिखें। इस नई रेंज में सिंगल स्ट्रैप और डुअल स्ट्रैप स्टाइल्स शामिल हैं, जिनमें एडजस्टेबल बकल दिया गया है, जो आराम, फ्लेक्सिबिलिटी और स्टाइल तीनों का बेहतरीन संतुलन देता है। सिंपल डिजाइन और न्यूट्रल, अर्थी टोन व सॉफ्ट पेस्टल जैसे रंगों के साथ यह कलेक्शन इस तरह तैयार किया गया है कि यह डेली फुटवियर के मामले में आसानी से फिट हो सके।

समाचार विशेष

सद्भाव यात्रा के बीच हरियाणा की हार

चंडीगढ़. हरियाणा में कांग्रेस के नेता ब्रजेंद्र सिंह सद्भाव यात्रा कर रहे हैं. वे हजारों किलोमीटर पैदल चल चुके हैं. पिछले दिनों राहुल गांधी गुरुग्राम में उनकी यात्रा में शामिल हुए. हालांकि उस समय राज्य के कई नेता नदारद रहे. माना जा रहा है कि हरियाणा कांग्रेस में ब्रजेंद्र सिंह को स्वीकार करने का भाव नहीं है. ध्यान रहे वे कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं. हालांकि दोनों पिता पुत्र कुछ समय पहले भाजपा में चले गए थे. आईएएस से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर ब्रजेंद्र सिंह ने भाजपा की टिकट से चुनाव लड़ा था और सांसद बने थे. हालांकि पिछले चुनाव में उनकी टिकट कट गई तो वे कांग्रेस में लौटे. कांग्रेस ने उनको विधानसभा में उतारा लेकिन वे बहुत मामूली अंतर से हार गए. उसके बाद यात्रा कर रहे हैं.

उनकी इस सद्भाव यात्रा के बीच हरियाणा में स्थानीय

निकायों के चुनाव हुए. इन चुनावों में कांग्रेस करो बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस सभी बड़े शहरों में मेयर का चुनाव हार गई. भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ माने जाने वाले सोनीपत में भी भाजपा जीती. अंबाला और पंचकूला में भी भाजपा को बड़ी जीत मिली.

खुद हुड्डा गढ़ी सांपला की जिस सीट से विधायक बनते हैं वहां भी भाजपा जीती. अब हरियाणा के सभी 11 नगर निगम पर भाजपा का कब्जा है. गुरुग्राम से लेकर फरीदाबाद, अंबाला, रोहतक, पानीपत, करनाल, पंचकूला, यमुनानगर, हिसार और सोनीपत में भाजपा का मेयर है. नगर परिषद और नगर पंचायतों पर भी भाजपा का कब्जा है. इस तरह हरियाणा में भाजपा ने ट्रिपल इंजन की सरकार स्थापित कर ली है.

बताया जा रहा है कि कांग्रेस के अंदर जो गुटबाजी है उसका असर चुनाव पर देखने को मिला है. एक तरफ हुड्डा अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहते हैं तो दूसरी ओर बीरेंद्र सिंह व ब्रजेंद्र सिंह से लेकर रणदीप सुरेजावाला तक जाट नेता उनको चुनौती दे रहे हैं.

पंचायत चुनाव में उतरी एक प्रतिशत जनसंख्या

आखिर राजनीतिक जागरूकता की क्या है वजह?

शिमला. पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि राजनीतिक जागरूकता व लोकतांत्रिक भागीदारी के लिए भी देशभर में अलग पहचान रखेगा.

प्रदेश में हो रहे पंचायत चुनाव ने फिर साबित कर दिया है कि यहां के लोग लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी को गंभीरता से लेते हैं. 75 लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले प्रदेश में पंचायत चुनाव के लिए इस बार 79,676 लोगों ने नामांकन दाखिल किए हैं. इनमें जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति, पंचायत प्रधान, उपप्रधान और पंचायत सदस्य पदों के प्रत्याशी शामिल हैं. यह आंकड़ा प्रदेश की राजनीतिक सक्रियता और लोगों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है.

> **राजनीतिक जागरूकता की वजह...**
> प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और बढ़ती साक्षरता भी इस राजनीतिक जागरूकता की बड़ी वजह मानी जा रही है. वर्ष 2011 में हिमाचल की साक्षरता दर 82.80 प्रतिशत थी, ये उस समय भी राष्ट्रीय औसत से अधिक थी. सितंबर 2025 तक प्रदेश की साक्षरता दर बढ़कर लगभग 99.30 प्रतिशत के करीब पहुंच चुकी है. इसका असर अब पंचायत चुनाव में भी दिखाई दे रहा है. इस बार पंचायत चुनाव में केवल पारंपरिक ग्रामीण चेहरे ही नहीं, बल्कि स्नातकोत्तर, प्रोफेशनल डिग्री धारक और शिक्षित युवा भी बड़ी संख्या में चुनावी मैदान में उतरे हैं.

राजनीति छोड़ फिल्मी दुनिया में तेज प्रताप!

पटना. बिहार के पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव राज्य के बोधगया में भगवा वस्त्र धारण कर योग करते दिखे.

उनकी इन योग मुद्राओं और आध्यात्मिक गतिविधियों को कैमरे में से शूट किया जा रहा है, क्योंकि बोधगया में उनके जीवन से जुड़ी एक डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग चल रही है जिसका वो हिस्सा हैं. बताया जा रहा है कि यह डॉक्यूमेंट्री योग, स्वास्थ्य जागरूकता और पदयात्रा की थीम पर आधारित है. इसमें प्राकृतिकजीवनशैली, आध्यात्मिक वातावरण और सामाजिक संदेश को प्रमुखता से दिखाया जा रहा है. बोधगया के शांत और आध्यात्मिक माहौल के कारण इस स्थान को शूटिंग के लिए चुना गया. डॉक्यूमेंट्री की टीम ने मठ परिसर के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग एंगल से दृश्य शूट किया. बताते हैं कि तेज प्रताप यादव वेब सीरीज की शूटिंग के लिए यहां पहुंचे, गया में उन्होंने विष्णुपद के दर्शन भी किए.

विशेष कैसे सतीशन ने सीएम की रेस में हराया?

राहुल से करीबी बनी वेणुगोपाल की कमजोरी

तिरुवनंतपुरम. आखिरकार लगभग 10 दिनों की माथापच्ची के बाद कांग्रेस पार्टी ने केरल के नए मुख्यमंत्री के लिए कांग्रेस पार्टी ने केसी वेणुगोपाल की जगह वीडी सतीशन पर ही भरोसा जताया और कांग्रेस विधायक दल की बैठक में लगभग 50 विधायकों के समर्थन के बावजूद वेणुगोपाल अपने पुराने प्रतिद्वंदी वीडी सतीशन से हार गए. अब सवाल यह उठता है कि आखिर केसी वेणुगोपाल कैसे हार गए और वीडी सतीशन उन पर कैसे

भारी पड़ गए?

कैसे सतीशन ने मारी बाजी?

अब आपको बताते हैं कि राहुल गांधी ने अपने सबसे करीबी को ही बहुमत के बावजूद कैसे सीएम की कुर्सी से महरूम कर दिया? किस तरह सतीशन ने वेणुगोपाल को कम विधायकों के समर्थन के बावजूद हरा दिया, आइए पांच प्वाइंट्स में समझते हैं वीडी सतीशन ने वेणुगोपाल के जबड़े से सीएम की कुर्सी छीन ली?

जनता का समर्थन- वीडी सतीशन को जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त समर्थन हासिल था. कांग्रेस पार्टी के आंतरिक सर्वे में भी उनकी लोकप्रियता पर मुहर लगी थी. वहीं, विधायक उनके पक्ष में नहीं थे लेकिन सतीशन यह समझाने में कामयाब रहे कि वेणुगोपाल संगठन महासचिव रहते अपने समर्थक उम्मीदवारों को ज्यादा टिकट दिलवा सके थे. साथ ही उनको आर्थिक सहायता भी दिलवाई, जिससे वही जीत के आए हैं और इसलिए उनका समर्थन ज्यादा है. आलाकमान ने सतीशन की इस बात में दम पाया.

पार्टी में टूट का खतरा- वीडी सतीशन न तो वेणुगोपाल को सीएम बनाने के लिए सहमत थे और मा ही उनके नेतृत्व में काम करने के पक्ष में थे. इसका साफ मतलब है कि सतीशन वेणुगोपाल के मुख्यमंत्री चुने जाने पर उनके साथ काम करने को तैयार नहीं थे. सतीशन ने आलाकमान को स्पष्ट कहा था कि वो वेणुगोपाल के नाम को प्रपोज भी नहीं करेंगे. मतलब सतीशन किसी भी कीमत पर सीएम के पद से कम पर तैयार नहीं थे.

> **वेणुगोपाल की राहुल गांधी से करीबी**- जब कोई हल नहीं निकलता दिखा तो राहुल गांधी ने मल्लिकार्जुन खरगे से बुधवार शाम मुलाकात की. दोनों नेताओं के बीच सभी पहलुओं पर चर्चा हुई. सतीशन के पक्ष में फैसला लेने से पहले वेणुगोपाल को मनाना आलाकमान के लिए जरूरी था. इसलिए ये जिम्मेदारी भी खरगे ने राहुल गांधी को ही सौंपी. राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को गुरुवार सुबह अपने घर बुलाया और उनसे दो घंटे की लंबी बैठक की. राहुल गांधी ने उनसे कहा कि आप संगठन महासचिव बने रहिए, आगे अध्यक्ष का भी चुनाव है और आप उसके लिए भी हमारी पसंद बन सकते हैं.